

## नई दिल्ली में 18वाँ G20 शिखर सम्मेलन

### प्रलिस के लयः

[अफ्रीकी संघ](#), वैश्विक जैव ईधन गठबंधन, वततीय समावेशन दस्तावेज़, विश्व बैंक, भारत- मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा, GE F-414 जेट इंजन, भारत-मरकोसुर तरजीही व्यापार समझौता, G20

### मेन्स के लयः

भारत की वदश नीतमें G20 का महत्त्व, भारत से जुड़े और/या भारत के हतियों को प्रभावति करने वाले समूह तथा समझौते

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

## चर्चा में क्यों?

नई दिल्ली, भारत में 9 और 10 सतिंबर, 2023 को 18वें [G20 शिखर सम्मेलन](#) का आयोजन कया गया | यह पहला शिखर सम्मेलन था जब भारत ने G20 देशों के शिखर सम्मेलन की मेज़बानी की |

- इस शिखर सम्मेलन का वषिय "वसुधैव कुटुंबकम" था, जसिका अर्थ है "वशिव एक परिवार है" |
- G20 देशों की नई दिल्ली घोषणा में रूस-यूक्रेन तनाव से लेकर धारणीय वकिस, खाद्य सुरक्षा और वैश्विक जैव ईधन गठबंधन शुरू करने जैसे वविधि वैश्विक मुद्दों पर सर्वसम्मत सहमता बनी |

## 18वें G20 शिखर सम्मेलन के प्रमुख नषिकर्षः

- **अफ्रीकी संघ को सूवीकृता (अब G21):**
  - इस मंच में वकिसशील देशों का प्रतनिधित्व बढ़ाने के एक महत्त्वपूर्ण कदम के रूप में G20 देशों ने [अफ्रीकी संघ \(African Union-AU\)](#) को **स्थायी सदस्य के रूप में शामिल करने** का नर्णय लया |
  - **अफ्रीकी संघ को G20 में शामिल कयि जाने का प्रभावः**
    - G20 में AU की सदस्यता वैश्विक व्यापार, वतित और नविश को नई दशा देने का अवसर प्रदान करती है तथा G20 के भीतर ग्लोबल साउथ के प्रतनिधित्व में वृद्धि करने में अहम भूमिका अदा करेगी |
    - इससे G20 के भीतर अफ्रीकी संघ के हतियों और दृष्टिकोणों पर वचार करना और उन पर ध्यान देना संभव हो सकेगा |
- **वैश्विक जैव ईधन गठबंधन (Global Biofuels Alliance- GBA):**
  - **परचियः**
    - यह भारत के नेतृत्व में एक पहल है जसिका उद्देश्य [जैव ईधन](#) अपनाने को बढ़ावा देने के लयि सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों तथा उद्योगों का गठबंधन सुनश्चिति करना है |
    - इस पहल का लक्ष्य जैव ईधन को **ऊर्जा संक्रमण** के एक प्रमुख घटक के रूप में **स्थापति करना** तथा **रोज़गार सृजन व आर्थिक वकिस में योगदान देना** है |
    - यह भारत के मौजूदा [PM-JIWAN योजना](#), [SATAT](#) और [GOBAR DHAN योजना](#) जैसे जैव ईधन कार्यक्रमों को गति देने में मदद करेगा |
      - अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, शुद्ध शून्य लक्ष्य के परणामस्वरूप वर्ष 2050 तक जैव ईधन क्षमता में साढ़े तीन से पाँच गुना वृद्धि की जाएगी |
  - **गठन और संस्थापक सदस्यः**
    - इस गठबंधन की शुरुआत नौ आरंभिक सदस्य देशों: **भारत, अमेरिका, ब्राज़ील, अर्जेंटीना, बांग्लादेश, इटली, मॉरीशस, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात** के साथ की गई थी |
      - GBA के सदस्य देश जैव ईधन के प्रमुख उत्पादक और उपभोक्ता हैं | इथेनॉल के **उत्पादन में संयुक्त राज्य अमेरिका** द्वारा 52%, ब्राज़ील द्वारा 30% एवं भारत द्वारा 3% के साथलगभग **85%** के योगदान के साथ ही **इन्हीं देशों में इसकी लगभग 81% खपत होती है** |

- इसमें शामिल होने के लिये 19 देश और 12 अंतरराष्ट्रीय संगठन पहले ही सहमत वियक्त कर चुके हैं।
- वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन का समर्थन करने वाले देश जिन्हें G20 में आमंत्रित किया गया:
  - बांग्लादेश, सगिापुर, मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात।
- वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन के गैर-समर्थक देश:
  - आइसलैंड, केन्या, गुयाना, पैराग्वे, सेशेल्स, श्रीलंका, युगांडा और फिनलैंड।
- अंतरराष्ट्रीय संगठन:
  - विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक, विश्व आर्थिक मंच, विश्व एलपीजी संगठन, संयुक्त राष्ट्र-सभी के लिये ऊर्जा, UNIDO, बायोफ्यूचर्स प्लेटफॉर्म, अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा मंच, अंतरराष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी, विश्व बायोगैस एसोसिएशन।
- भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC):
  - भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC) की स्थापना के लिये भारत, अमेरिका, सऊदी अरब, यूरोपीय संघ, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, जर्मनी और इटली की सरकारों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए।
  - IMEC वैश्विक अवसंरचना और नविश के लिये साझेदारी (Partnership for Global Infrastructure Investment- PGII) नामक एक व्यापक पहल का हिस्सा है।
    - PGII को सबसे पहले जून 2021 में ब्रिटेन में आयोजित G7 शिखर सम्मेलन के दौरान पेश किया गया था।
      - इसका लक्ष्य सार्वजनिक और नज्जी नविश के संयोजन के माध्यम से विकासशील देशों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को वित्तपोषित करना है।
    - IMEC भारत, मध्य-पूर्व और यूरोप को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना है।
    - इस परियोजना का लक्ष्य रेलवे और समुद्री मार्गों सहित परिवहन गलियारों का एक नेटवर्क स्थापित करना है।
    - इसे चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जाता है, यह एक वैकल्पिक बुनियादी ढांचा नेटवर्क प्रदान करता है।
  - वित्तीय समावेशन दस्तावेज़ के लिये G20 ग्लोबल पार्टनरशिप:
    - विश्व बैंक द्वारा तैयार वित्तीय समावेशन दस्तावेज़ के लिये G20 ग्लोबल पार्टनरशिप ने केंद्र सरकार के तहत पछिले एक दशक में भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) के परिवर्तनकारी प्रभाव की सराहना की है।
    - यह दस्तावेज़ नमिनलखिति पहलों पर बल देता है जिन्होंने DPI परदृश्य को आकार देने में बड़ी भूमिका निभाई:
      - तीव्र वित्तीय समावेशन:
        - भारत के DPI दृष्टिकोण ने केवल 6 वर्षों में 47 वर्षों की वित्तीय समावेशन प्रगति हासिल की।
        - जन धन-आधार-मोबाइल (JAM) ट्रिनिटी की सहायता से वित्तीय समावेशन दर को वर्ष 2008 में 25% से बढ़ाकर 6 वर्षों के भीतर 80% से अधिक किया गया।
        - विभिन्न वनियामक ढाँचे, राष्ट्रीय नीतियों और आधार-आधारित सत्यापन ने DPI की स्थापना में अहम योगदान दिया।
      - प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY) की सफलता:
        - PMJDY खातों की संख्या 147.2 मिलियन (मार्च 2015) से तीन गुना बढ़कर 462 मिलियन (जून 2022) हो गई।
        - इनमें से 56% खाताधारक महिलाएँ हैं, अर्थात् इनकी संख्या 260 मिलियन से अधिक है।
        - अप्रैल 2023 तक 12 मिलियन से अधिक ग्राहकों को आकर्षित करते हुए PMJDY ने कम आय वाली महिलाओं की बचत को बढ़ावा दिया।
      - सरकार से व्यक्त (G2P) भुगतान:
        - भारत के डिजिटल G2P आर्कटिकचर ने 53 मंत्रालयों के 312 योजनाओं के माध्यम से लाभार्थियों को 361 बिलियन अमेरिकी डॉलर के अंतरण की सुविधा प्रदान की।
        - इसके माध्यम से मार्च 2022 तक 33 बिलियन अमेरिकी डॉलर की कुल बचत की गई, जो GDP के 1.14% के बराबर है।
      - एकीकृत भुगतान इंटरफेस (UPI) के उपयोग में उत्तरोत्तर वृद्धि:
        - मई 2023 में 9.41 बिलियन से अधिक UPI लेन-देन हुए, जिनकी कीमत 14.89 ट्रिलियन रुपए थी।
        - वित्त वर्ष 2022-23 में UPI लेन-देन भारत की नॉमिनल GDP के 50% के करीब पहुँच गया।
      - नज्जी क्षेत्र की दक्षता:
        - DPI ने जटिलता, लागत और समय को कम करते हुए नज्जी संगठनों के संचालन को सुव्यवस्थित किया।
        - कुछ NBFCs ने 8% अधिक SME ऋण रूपांतरण दर, मूल्यहरास लागत में 65% बचत और धोखाधड़ी का पता लगाने में 66% लागत की कमी हासिल की।
        - DPI उपयोग के साथ भारत में बैंकों की ग्राहक ऑनबोर्डिंग लागत 23 अमेरिकी डॉलर से घटकर 0.1 अमेरिकी डॉलर हो गई।
      - KYC की अनुपालन लागत में कमी:
        - अनुपालन लागत को 0.12 अमेरिकी डॉलर से घटाकर 0.06 अमेरिकी डॉलर किये जाने से कम आय वाले ग्राहक अधिक आकर्षित हुए।
      - सीमा पार भुगतान:
        - UPI-PayNow लकैंज के कारण सगिापुर के साथ सीमा पार से त्वरित और सस्ते भुगतान सुनिश्चित हुए।
      - अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क:
        - 13.46 मिलियन सहमति के साथ डेटा साझा करने के लिये 1.13 बिलियन खातों को सक्षम किया गया।
      - डेटा एम्पावरमेंट एंड प्रोटेक्शन आर्कटिकचर (DEPA):

- यह व्यक्तियों को उनके डेटा पर नियंत्रण प्रदान करता है, नवाचार और प्रतस्पर्द्धा को बढ़ावा देता है।

## G20 शिखर सम्मेलन 2023 की अन्य मुख्य विशेषताएँ:

### ■ वर्ष 2030 तक वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करना:

- G20 देशों ने वर्ष 2030 तक **वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने** की दशा में काम करने का वादा किया।
  - **अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA)** के एक आकलन के अनुसार, यदि इस लक्ष्य को पूरा किया जाता है तो वर्ष 2030 तक सात अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन से बचा जा सकता है।
  - यह **ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के वैश्विक पर्याप्तों** के अनुरूप है।
- यह **जीवाश्म ईंधन से स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों की ओर** एक महत्त्वपूर्ण संक्रमण का प्रतिनिधित्व करता है।
- यह घोषणा स्वीकार करती है कि वर्तमान जलवायु कार्रवाई अपर्याप्त है और **पेरिस समझौते के उद्देश्यों** को प्राप्त करने के लिये खरबों डॉलर के वित्तीय परियोजना की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है।
- नरिदष्टि पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का वसितार करने से वर्ष 2023 और वर्ष 2030 के बीच लगभग 7 बिलियन टन CO2 उत्सर्जन से बचा जा सकता है।

### ■ वैश्विक खाद्य सुरक्षा और पोषण के प्रति प्रतिबद्धता:

- G20 के नेतृत्वकर्ता **खाद्य और ऊर्जा की कीमतों सहित बढ़ती कमांडिटी कीमतों**, जो **जीवन-यापन के दबाव** में योगदान करते हैं, का समाधान करने के महत्त्व को समझते हैं।
- वैश्विक चुनौतियाँ कमजोर समूहों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती हैं, इसलिये उनका लक्ष्यमुखमरी और **कुपोषण का उनमूलन करना** है।
- G20 घोषणापत्र में मानवीय पीड़ा और **यूक्रेन युद्ध के चलते वैश्विक खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा**, आपूर्ति शृंखला, मुद्रास्फीति तथा आर्थिक स्थिरता पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्रकाश डाला गया है।
- G20 देशों ने **ब्लैक सी ग्रेन पहल** के समयबद्ध और पूर्ण कार्यान्वयन का आह्वान किया।
- **G20 की अध्यक्षता के दौरान कृषि कार्य समूह ने दो पहलुओं पर ऐतिहासिक सहमति प्राप्त की: खाद्य सुरक्षा और पोषण पर दक्कन G20 उच्च-स्तरीय सदिधांत और महर्षि (MAHARISHI) नामक कदन्न पहल।**
  - खाद्य सुरक्षा और पोषण पर उच्च-स्तरीय सदिधांतों के तहत सात सदिधांतों के अंतरगतमानवीय सहायता, खाद्य उत्पादन एवं खाद्य सुरक्षा नेट कार्यक्रम, जलवायु-स्मार्ट दृष्टिकोण, कृषि खाद्य प्रणालियों की समावेशिता, एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण, कृषि क्षेत्र का डिजिटलीकरण तथा कृषि में ज़मिंदार सार्वजनिक व नज़ी निवेश को बढ़ाना शामिल हैं।
  - महर्षि (कदन्न और अन्य प्राचीन अनाज पर अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान पहल) का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय कदन्न वर्ष 2023 और उसके बाद के वर्षों के दौरान अनुसंधान सहयोग को बढ़ाना तथा कदन्न एवं अन्य प्राचीन अनाज के वषिय में जागरूकता उत्पन्न करना है।
- G20 कृषि, खाद्य और उर्वरक में पारदर्शी, नषिपकष और नियम-आधारित व्यापार को बढ़ावा देने के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने नरियात प्रतिबंध नहीं लगाने, बाज़ार की विकृतियों को कम करने और WTO नियमों के साथ तालमेल बठाने की प्रतिजिजा की।
- G20 देशों ने पारदर्शिता में वृद्धि करने के लिये **कृषि कदन्न सूचना प्रणाली (AMIS)** और **पृथ्वी अवलोकन वैश्विक कृषि निगरानी समूह (GEOGLAM)** को मज़बूत करने के महत्त्व पर ज़ोर दिया।
  - इसके अंतरगत वनस्पति तेलों को शामिल करने के लिये AMIS का वसितार करना और खाद्य कीमतों में अस्थिरता से बचने हेतु प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों के साथ सहयोग बढ़ाना शामिल है।

### ■ नोट:

- AMIS **खाद्य बाज़ार पारदर्शिता और खाद्य सुरक्षा के लिये नीति प्रतिकरिया को बढ़ाने हेतु एक अंतर-एजेंसी मंच** है।
  - इसकी शुरुआत वर्ष 2007-08 और 2010 में वैश्विक खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी के बाद G20 के कृषि मंत्रियों द्वारा वर्ष 2011 में की गई थी।
- GEOGLAM पूरे विश्व में समय पर कृषि संबंधी सूचना प्रदान करके बाज़ार पारदर्शिता और खाद्य सुरक्षा को बढ़ाता है।
  - वर्ष 2011 में फ्रांसीसी G20 अध्यक्षता के दौरान बीस (G20) कृषि मंत्रियों ने GEOGLAM नीति अधिदेश का समर्थन किया था।

### ■ छोटे हथियार और आतंकवादियों के सुरक्षति ठकाने:

- वर्ष 2023 की नई दलिली घोषणा पछिली G20 घोषणाओं, विशेष रूप से वर्ष 2015 के **तुरकिये घोषणा**, पर आधारित है, जिसमें आतंकवाद की कड़ी नदि की गई थी। वर्ष 2022 के G20 बाली नेतृत्वकर्ताओं की घोषणा (जो मुख्य रूप से आतंकवाद के वतितपोषण और **वतित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF)** को मज़बूत करने पर केंद्रित थी) के वपिरीत नई दलिली घोषणा में **आतंकवाद से संबंधित वभिन्न चतियाँ शामिल हैं।**
- नई दलिली घोषणा में G20 देशों ने स्पष्ट रूप से आतंकवाद के सभी रूपों और अभवियक्तियों की नदि की है।
- यह घोषणापत्र वैश्विक परसिपतता पुनर्प्राप्ति नेटवर्क को बढ़ाने और आपराधिक गतविधियों से अर्जति धन की रकिवरी के लिये FATF के पर्याप्तों का समर्थन करता है।

### ■ स्वास्थ्य देखभाल में लचीलापन और अनुसंधान:

- G20 नई दलिली नेतृत्वकर्ताओं की घोषणा में स्वास्थ्य देखभाल पर काफी बल दिया गया है और एक लचीली स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के नरिमाण की आवश्यकता को प्राथमिकता दी गई है।
- यह अधिक **लचीला, न्यायसंगत, सतत और समावेशी स्वास्थ्य प्रणाली** बनाने के लिये वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था को मज़बूत करने हेतु

प्रतबिद्ध है। इस प्रयास में [वशिव स्वास्थ्य संगठन \(WHO\)](#) की केंद्रीय भूमिका है।

- इसका लक्ष्य **आगामी दो से तीन वर्षों के अंदर** प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यबल और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं को **महामारी से पहले के स्तर से बेहतर स्तर तक बढ़ाना** है।
- तपेदिक और AIDS जैसी मौजूदा महामारियों का समाधान करने के अतिरिक्त **G20 वसितारति कोवडि** पर शोध के महत्त्व को रेखांकित करता है।
- भारत की G20 अध्यक्षता ने **आधुनिक चिकित्सा के साथ साक्ष्य-आधारित पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों** के एकीकरण पर भी जोर दिया।
- इसमें **वन हेल्थ दृष्टिकोण** (जो रोगाणुधी प्रतरोध से नपिटने पर वशिष ध्यान देने के साथ एक ही तंत्र के अंदर पशुओं, पादपों और मनुष्यों में बीमारियों को ट्रैक करता है) अपनाने पर जोर दिया गया है।
- **वतित ट्रैक (Finance Track) समझौते:**
  - भारत की G-20 की अध्यक्षता ने **करपिटोकरेंसी** के लिये एक समन्वति और व्यापक नीतिएवं नयामक ढाँचे की नीव रखी है।
  - इसमें करपिटो परसिंपत्ता वनियमन हेतु वैश्विक सहमति पर जोर दिया गया।
  - G-20 देशों ने वशिष स्तर पर उच्च वकिसात्कम मांगों को पूरा करने के लिये अधिक मज़बूत और प्रभावी **बहुपक्षीय वकिसा बैंकों (MDB)** की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित कया।
  - वतितय समावेशन के लिये डजिटल सार्वजनिक बुनयादी ढाँचे के इंडया स्टैक मॉडल को एक आशाजनक दृष्टिकोण के रूप में स्वीकार कया गया है।
  - G-20 देशों की नई दलिली घोषणा करपिटो-परसिंपत्ता पारसिथतिकी तंत्र के तेज़ी से वकिस से जुड़े जोखमों की नगिरानी पर जोर देती है।
- **भारत-मरकोसुर तरजीही व्यापार समझौता (Preferential Trade Agreement):**
  - भारत और ब्राज़ील ने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिये **भारत-मरकोसुर PTA** के वसितार हेतु मलिकर कार्य करने पर सहमति जितई है।
    - **मरकोसुर लैटन अमेरिका में एक व्यापारिक समूह है, जिसमें ब्राज़ील, अर्जेंटीना, उरुग्वे और पैराग्वे शामिल हैं।**
  - भारत-मरकोसुर PTA 1 जून, 2009 को प्रभाव में आया, इसका उद्देश्य उन चुनवि वस्तुओं पर सीमा शुल्क को खत्म करना था जनि पर भारत और मरकोसुर ब्लॉक के बीच सहमति बनी थी।
- **जलवायु वतितपोषण प्रतबिद्धता:**
  - इस घोषणापत्र में जलवायु वतितपोषण में पर्याप्त वृद्धि पर जोर दिया गया है, जिसमें बलियन डॉलर से ट्रलियन डॉलर के "क्वांटम जंप" अर्थात् काफी बड़े बदलाव का आह्वान कया गया है।
  - यह वकिसशील देशों के लिये वर्ष 2030 से पहले की अवधि में 5.8-5.9 ट्रलियन अमेरिकी डॉलर और वर्ष 2050 तक **शुद्ध-शून्य उतसरजन** प्राप्त करने हेतु **स्वच्छ ऊरजा प्रौद्योगिकियों** के लिये प्रतविर्ष 4 ट्रलियन अमेरिकी डॉलर की वतितय सहायता की आवश्यकता को रेखांकित करता है।
- **भारत का सांस्कृतिक प्रदर्शन:**
  - भारत **मंडपम (अनुभव मंडपम से प्रेरति)**।
  - **भगवान नटराज** की कांस्य प्रतमि (**चोल शैली**)।
  - **ओडिशा के सूर्य मंदिर का कोणार्क चक्र** और **नालंदा विश्वविद्यालय की छवि** (प्रतषिठित पृष्ठभूमि के रूप में प्रयुक्त)।
  - तंजावुर पेंटिंग और ढोकरा कला।
  - बोधा वृक्ष के नीचे स्थापति **भगवान बुद्ध** की पीतल की मूर्ति।
  - वविधि संगीत वरिसत (**हदिसतानी, लोक संगीत, कर्नाटक**, भक्ति)।
- **G20 अध्यक्षता में परविरतन:**
  - भारत के प्रधानमंत्री ने **ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुइज़ इंसियो लूला दा सल्व्वा** को **G20 अध्यक्ष का पारंपरिक उपहार सौपा**, जनिहें 1 दसिंबर, 2023 को आधिकारिक तौर पर इसकी अध्यक्षता प्राप्त हो जाएगी।

## G20 शखिर सम्मेलन 2023 में नवीनतम भारत-अमेरिका सहयोग:

- लचीली **सेमीकंडक्टर आप्रत शिंखला** और दूरसंचार बुनयादी ढाँचे पर ध्यान केंद्रति करते हुए भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी प्रौद्योगिकी साझेदारी को मज़बूत कर रहे हैं।
- भारत चीनी दूरसंचार उपकरणों के उपयोग को कम करने की प्रक्रया के साथ तालमेल बठिते हुए अमेरिका के 'रपि एंड रपिलेस' पायलट प्रोजेक्ट का समर्थन करता है।
- भारत और अमेरिका ने अंतरिक्ष एवं **कृत्रम बुद्धमितता (AI)** जैसे नए तथा उभरते क्षेत्र में वसितारति सहयोग के माध्यम से भारत-अमेरिका प्रमुख रक्षा साझेदारी को मज़बूत और वविधितापूर्ण बनाने की अपनी प्रतबिद्धता की पुष्टि की।
- GE F-414 जेट इंजन समझौता:
  - अमेरिका ने हाल ही में भारत में **GE F-414 जेट इंजन** नरिमाण के लिये **जनरल इलेक्ट्रिक एयरोस्पेस और हदिसतान एयरोनॉटक्स लमिटिड (HAL)** के बीच एक वाणजियक समझौते हेतु अधसिचना प्रक्रया पूरी की।
  - यह समझौता अमेरिका और भारत के बीच रक्षा सहयोग में एक बड़ा कदम है, जो अपनी घरेलू रक्षा वनरिमाण क्षमताओं को बढ़ाने के लिये भारत की प्रतबिद्धता को उजागर करता है।

# जी-20

- एशियाई वित्तीय संकट के बाद वैश्विक आर्थिक एवं वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिये वर्ष 1999 में स्थापित
- स्थायी सचिवालय नहीं
- सदस्य: 19 देश और यूरोपीय संघ (EU)
- स्थायी अतिथि देश: स्पेन
- G20 शिखर सम्मेलन: प्रतिवर्ष आयोजित होता है
- 2023 की अध्यक्षता: भारत (थीम - एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य)
- शेरपा: ये G20 देशों के प्रतिनिधियों के रूप में कार्यावली एवं कार्यों का समन्वय करते हैं
- ट्रोइका: अध्यक्षता ट्रोइका द्वारा समर्थित है (ट्रोइका शब्द का इस्तेमाल पूर्व, वर्तमान और भविष्य की अध्यक्षता के संदर्भ में किया जाता है)



<https://www.youtube.com/watch?v=dbgGV5-TrdE&pp=ygUMRy0yMCBkcmlzaHRp>

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. नमिनलखिति में से कसि एक समूह में चारों देश G-20 के सदस्य हैं? (2020)

- अर्जेंटीना, मेक्सिको, दक्षिण अफ्रीका और तुर्की
- ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, मलेशिया और न्यूजीलैंड
- ब्राज़ील, ईरान, सऊदी अरब और वयितनाम
- इंडोनेशिया, जापान, सगिपुर और दक्षिण कोरिया

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/18th-g20-summit-in-new-delhi>

